(परिशिष्ट का (अपेन्डिक्स 'जी') का प्रपत्र संख्या 6

पुनरावेदन (अपील) की सुनवाई के लिए नियत दिन की उत्तरवादी (रेस्पोडेन्ट) की सूची

(व्यवहार (सिविल) प्रक्रिया संहिता 1908 के आदेश 41 के नियम 14 के अधीन)

न्यायालय **Rajasthan High Court, Jodhpur** द्वारा अध्यासित (प्रिजाइडेड) पुरावेदक (अपीलाण्ट).....उत्तरवादी (रेस्पोडेन्ट)

प्रार्थी / याची / आवेदक **विरूद्ध** **अप्रार्थी / अयाची / प्रतिपक्षी**

पुनरावेदन (अपील) संख्या _____

पुनरावेदन विषय.. _____

न्यायालय श्री.....के आदेश दिनांकित .....के विरूद्ध पुनरावेदन (अपील)।

प्रेषिति,

R-1

आपको सूचना दी जाती है कि इस प्रकरण में न्यायालय श्री _____ की आज्ञप्ति (डिक्री) के आदेश के विरूद्ध _____ (पुनरावेदक का नाम) द्वारा एक पुरावेदन (अपील) प्रस्तुत किया गया है और न्यायालय में पंजीयत (रजिस्टर्ड) कर लिया गया है तथा पुनरावेदन की सुनवाई के लिए न्यायालय द्वारा दिनांक _____ नियत की गई है।

यदि इस पुनरावेदन में आप स्वयं आपकी ओर से आपके अधिवक्ता (एडवोकेट) अभिवक्ता (प्लीडर) या आपके लिए कार्य करने हेतु विधि प्राधिकृत कोई व्यक्ति (उक्त दिवस इस न्यायालय में) उपस्थित नहीं होगा तो वह आपकी अनुपस्थित में सुना व निश्चित किया जाएगा।

यह आज दिनांक _____ को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ दिया गया।

न्यायालय	पक्षकार / अधिवक्ता	न्यायाधीश
की मुद्रा	के लघु हस्ताक्षर	की पद मुद्रा

टिप्पणी:– यदि निष्पादन–रोधन (स्टे ऑफ एक्जीक्यूशन) का आदेश दे दिया गया हो तो उस तथ्य का प्रज्ञापन (इन्टीमेशन) इस सूचना पर दिया जाना चाहिए।

आलोकन : पुनरावेदन appeal पुनरीक्षण Revision पुनर्विलोकन Review

downloaded from **www.rhcla.com**

आदेशिका तामिलकर्ता का शपथ पत्र

(आदेश 5 का नियम 18)

..... के पुत्र..... का शपथ पत्र मैं .....शपथ लेता हूं कि प्रतिज्ञात करता हूं और यह कथन करता हूं कि .....

1. मैं इस न्यायालय का एक आदेशिका तामिलकर्ता हूं ।

2. ..... के न्यायालय द्वारा उक्त न्यायालय के ..... के..... ..... संख्यांक वाले वाद में निकाला गया/निकाली गई तारीख .... का समन/की सूचना..... पर तामिल के लिए मुझे तारीख ..... को प्राप्त हुआ/हुई थी ।

3. उक्त..... को मैं उस समय वैयक्तिक्र रूप से जानता था और मैंने उक्त समन/सूचना की तामिल उस पर तारीख..... को लगभग.....बजे .... पूर्वान्ह/अपरान्ह में उसको निविदित करके और मूल समन/ सूचना पर उनके हस्ताक्षर की अपेक्षा करके की थी (क) यहां यह लिखिये कि क्या उस व्यक्ति ने, जिस तामिल की गई आदेशिका पर हस्ताक्षर किया था या हस्ताक्षर करने से इन्कार किया था और उसने किसकी उपस्थिति में ऐसी किया था।

   (ख) आदेशिका तामिलकर्ता के हस्ताक्षर

अथवा

4. उक्त.....को मैं वैयक्तिक्र रूप से नहीं जानता इसलिए..... .... मेरे साथ..... को गया उसने मुझे एक व्यक्ति दिखलाया जिसके बारे में बताया गया कि उक्त वह ..... है और मैंने उक्त समन/सूचना की तामिल उस पर तारीख..... को लगभग..... बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में उसकी एक प्रति उनको निविदित करके और मूल समन/सूचना पर उसके हस्ताक्षर की अपेक्षा की थी।
   (क) यहां यह लिखिए कि क्या उस व्यक्ति ने, जिस तामिल की गई आदेशिका पर हस्ताक्षर किया था या हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया था और उसने किसकी उपस्थिति में ऐसा किया था।
   (ख) आदेशिका तामिलकर्ता के हस्ताक्षर

अथवा

5. उक्त..... को और उस गृह को, जिसमें वह मामूली तौर पर निवास करता है। मैं वैयक्तिक्र रूप से जानता हूं और ..... मैं उक्त गृह गया और वहां तारीख..... को लगभग ..... बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में मैंने उक्त..... ..... को नहीं पाया ।

   (क) आदेशिका की तामिल जिस रीति से की गई उसे, आदेश 5 नियम 15 और 17 के प्रति विशेष निर्देश से पूरी तरह से और यथावत लिखिए।

अथवा

6. एक व्यक्ति..... मेरे साथ..... तक गया और मुझे वहां ..... दिखलाया, जिसके बारे में उसने कहा कि यह वहीं गृह हैं, जिसमें ....मामूली तौर पर निवास करता है, मैंने उक्त ..... को वहां नहीं पाया।

   (क) आदेशिका की तामील जिस रीति से की गई उसे आदेश 5 नियम 1 के प्रति विशेष निर्देश से पूरी तरह से और यथावत लिखिए।

अथवा

   यदि प्रतिस्था पत्र तामिल के लिए दिया गया है तो जिस रीति से मन की तामील की गई थी उसे प्रतिस्थापित तामिल के लिए आदेश के निबन्धों के प्रति विशेष निर्देश से पूरी तरह से और यथावत लिखिए।

आज तारीख..... को उक्त..... ने समक्ष प्रति ज्ञान किया।
अभिशाक्षियों को शपथ दिलाने के लिए प्रक्रिया संहिता 1908 की धारा 139 के अधीन।

downloaded from **www.rhcla.com**